

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

पूरक परीक्षा—जुलाई, 2015

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कूटबंध सं. 2/1/1, 2/1/2, 2/1/3

कक्षा XII

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/ मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/2/2	2/1/3		
1	1 क	2 क	1 क	खंड क अपठित गद्यांश <ul style="list-style-type: none"> <li>• 'मनुष्य और सौंदर्यबोध'</li> <li>• सौंदर्यबोध में साहित्य की भूमिका</li> <li>• साहित्य : हमारा मार्गदर्शक (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)</li> </ul>	15
	ख	ख	ख	साहित्य स्रष्टा <ul style="list-style-type: none"> <li>• साहित्य सृजन करने वाला, लेखक</li> </ul>	1
				साहित्य-प्रेमी— <ul style="list-style-type: none"> <li>• साहित्य का रसास्वादन करने वाला।</li> <li>• साहित्य की भावनाओं से तथा मनुष्य की भावनाओं से</li> </ul>	1+1=2



ग	ग	ग	<p>प्रेम।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● मनुष्य का प्रत्येक वस्तु में सौंदर्य देखने का स्वभाव।</li> <li>● प्रेम के कारण असुंदर को भी सुंदर मान लेना।</li> </ul>	1+1
घ	घ	घ	<p><u>उच्छृंखलता-</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● संयम न होना।</li> <li>● आचरण की कुरूपता।</li> </ul> <p><u>सौंदर्य-प्रेम-</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● संयम होना</li> <li>● सामंजस्य होना।</li> </ul>	
ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संयम और सामंजस्य का न होना।</li> <li>● परायी बहू-बेटियों को घूरना।</li> <li>● दूसरों के भावों का आदर न करना।</li> </ul>	2
च	च	च	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संयम सौंदर्य बोध को विकसित करने का आधार है।</li> <li>● जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की शक्ति को विकसित करता है।</li> </ul>	2
छ	छ	छ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● जटिलताओं से मुक्त होने के लिए।</li> <li>● मानवीय भावों को सही ढंग</li> </ul>	2



	ज	ज	ज	से पहचानने के लिए। ● जीवन को समझने के लिए। ● उपसर्ग- उत् ● प्रत्यय- ता	$1/2+1/2=1$
	झ	झ	झ	● सभी मनुष्य स्वभाव से साहित्य-स्रष्टा होने के साथ-साथ साहित्य-प्रेमी भी होते हैं। <u>अथवा</u> सभी मनुष्य स्वभाव से साहित्य-स्रष्टा होते हुए भी (न होने पर भी) साहित्य प्रेमी होते हैं।	1
2.	2 क	1 क	2 क	<u>अपठित काव्यांश</u> ● उतार-चढ़ाव जैसी कठिनाइयों का सामना करना। सतत प्रवाहमान रहना।	1X5=5
	ख	ख	ख	● दूध की तरह जल से पोषण मिलना। ● हिमालय से निकलने के कारण बर्फ जैसा सफेद रंग।	1
	ग	ग	ग	● नदी की तरह जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनेक कठिनाइयों से जूझने की चंचलता एवं व्याकुलता।	1



	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>जीवन बहुत सुंदर और अनमोल।</li> <li>अथक परिश्रम द्वारा कठिनाइयों को परास्त करते हुए आगे बढ़ना।</li> </ul>	1
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>धरती को।</li> </ul>	1
3	3	3	3	<p style="text-align: center;"><b>खंड ख</b> <b>निबंध लेखन</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>भूमिका —1</li> <li>विषय वस्तु— 3</li> <li>भाषा — 1</li> </ul>	5
4	4	4	4	<p style="text-align: center;"><b>पत्र—लेखन</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ —1</li> <li>विषयवस्तु —3</li> <li>भाषा —1</li> </ul>	5
5	5	—	—	<p>संक्षेप में उत्तर —</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>विषय विशेष पर विशेषज्ञता के साथ लिखा गया लेखन।</li> <li>चरित्र हनन की दृष्टि से सनसनीखेज समाचारों का संग्रहण एवं प्रसारण।</li> <li>एक सुव्यस्थित, सृजनात्मक</li> </ul>	1×5=5
	क	—	—		1
	ख	—	—		1
	ग	—	—		



				एवं आत्मनिष्ठ लेखन।	1
	घ	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रिंट माध्यम, इलेक्टॉनिक माध्यम।</li> </ul>	1
	ङ	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● उल्टा पिरामिड शैली।</li> </ul>	1
	—	5 क	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● रेडियो, टेलिविज़न, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ (कोई दो)</li> </ul>	1
	—	ख	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● हंस, सरस्वती, प्रताप (अन्य भी स्वीकार्य)</li> </ul>	1
	—	ग	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● मुद्रित माध्यम से।</li> <li>● प्रकाशित समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ।</li> </ul>	1
	—	घ	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संवाददाता द्वारा भेजी गई खबरों तथा सामग्री को पठनीय बनाना।</li> </ul>	1
	—	ङ	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● गुप्त रूप से किया जाने वाला कार्य जो किसी भ्रष्टाचार, घोटाले या रिश्वतखोरी को उजागर करता है।</li> </ul>	1



	—	—	5	<ul style="list-style-type: none"> <li>तीन प्रकार के— पूर्णकालिक, अंशकालिक, फ्रीलांसर</li> </ul>	$1/2+1/2=1$
	—	—	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन या खबरों का आदान-प्रदान।</li> </ul>	1
	—	—	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>क्या, कौन, कब, कहाँ, कैसे, क्यों।</li> </ul>	1
	—	—	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्रों में होने वाले कामकाज पर निगाह रखना तथा किसी भी तरह गड़बड़ियों का पर्दाफाश करना।</li> </ul>	1
			ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>वस्तुनिष्ठता।</li> <li>समसामयिक।</li> </ul>	1
6	6	6	6	<u>फीचर / रिपोर्ट लेखन—</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>विषय वस्तु — 2</li> <li>रोचकता प्रस्तुति—2</li> <li>भाषा — 1</li> </ul>	5
7	7	7	7	<u>आलेख लेखन—</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>विषय वस्तु — 2</li> <li>प्रभावी प्रस्तुति —2</li> <li>भाषा —1</li> </ul>	5



8	8 क	— क	8 क	खंड-ग काव्यांश पर आधारित प्रश्न	2×4=8
				<ul style="list-style-type: none"> <li>वर्षा ऋतु के बाद शरद ऋतु का आगमन।</li> <li>चारों ओर उल्लास का वातावरण।</li> <li>साइकिल चलाते हुए, घंटी बजा कर सूचना देकर।</li> <li>प्रकृति का और अधिक सुंदर होकर।</li> </ul>	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>खरगोश की आँखों से।</li> <li>सुबह की लालिमा का स्पष्ट अनुभव।</li> </ul>	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्वच्छ एवं स्पष्ट आकाश बच्चों को पतंग उड़ाने के लिए बुलाता हुआ लगता है।</li> <li>बच्चों की कल्पनाशीलता एवं स्वभाव का चित्रण।</li> </ul>	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>आसमान इतना कोमल और साफ है जिसमें पतंग को उड़ाने के लिए पर्याप्त स्थान है।</li> <li>बच्चे ऊँचाई तक पतंग उड़ा सकते हैं।</li> </ul>	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	<ul style="list-style-type: none"> <li>कवि कागज़ के पन्ने को खेत मानता है।</li> </ul>	



	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>जिस प्रकार खेत में बीज बोकर अन्न उपजाया जाता है उसी प्रकार हृदय में उमड़ी भावनाओं को कागज़ पर व्यक्त किया जाता है।</li> <li>भावनाओं की आँधी।</li> <li>विचारों की उथल-पुथल।</li> </ul>	1+1=2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>शब्दों में भावाभिव्यक्ति का विकास होना</li> <li>रचनाशील होना।</li> <li>सांसारिक और व्यावहारिक अनुभव से रचना करना।</li> </ul>	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>जिस प्रकार पत्तों और पुष्पों से छाया और सौरभ प्राप्त होते हैं। उसी प्रकार सृजित रचना से आनंद की अनुभूति होती है।</li> </ul>	2
9	9 क	8 क	9 क	<p><u>काव्यांश पर आधारित प्रश्न—</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>रुबाई छंद का प्रयोग।</li> <li>उर्दू शब्दों के साथ सरल हिंदी।</li> </ul>	2×3=6
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>रूपक अलंकार—चाँद रूपी बालक।</li> <li>पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार—रह—रह।</li> </ul>	2





	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● वात्सल्य रस</li> <li>● माँ अपने बच्चे को अपने हाथों से झुलाती है, गोद में लेती है।</li> <li>● हवा में उछालती है, बच्चा खुश होता है, हँसता है।</li> </ul>	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● तुलसी द्वारा पक्षी, साँप और हाथी के माध्यम से राम की मनोदशा का चित्रण किया है।</li> <li>● पक्षी बिना पंख के।</li> <li>● साँप बिना मणि के।</li> <li>● हाथी बिना सूँड के वैसे ही राम बिना भाई के दुखी हैं।</li> </ul>	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● तत्सम प्रधान अवधी भाषा।</li> <li>● करुण रस।</li> <li>● अनुप्रास एवं विभावना अलंकार।</li> <li>● दोहा, छंद।</li> </ul>	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अनुप्रास अलंकार</li> <li>● करिवर कर हीना</li> <li>● बंधु बिन तोही ... आदि।</li> </ul>	2
10	10 क	10 क	10 क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● माँ की प्रतीक्षा में।</li> </ul>	2×3=6



	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भोजन की आशा में।</li> <li>● चिंता में।</li> </ul>	3
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सूर्योदय के पहले से सूर्योदय तक के दृश्यों से प्राकृतिक हलचल।</li> <li>● भोर में राख द्वारा चूल्हे का लीपा जाना।</li> <li>● सिल, खड़िया या चौके का दृश्य।</li> <li>● आसमान के रंगों का बदलना।</li> <li>● तालाब में युवतियों का स्नान।</li> <li>● ग्रामवासियों का कार्य हेतु प्रवृत्त होना।</li> </ul>	3
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भाव के अनुकूल भाषा का प्रयोग आवश्यक।</li> <li>● भाव उलझ कर अभिव्यक्त नहीं हो पाता।</li> <li>● अतः उलझन से बच कर भावानुकूल सरल भाषा का प्रयोग।</li> </ul>	3
11	11 क	12 क	11 क	<p><u>पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न—</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● मन भावों से भरा हुआ था।</li> <li>● मनोवेग चेहरे पर झलक रहे थे।</li> <li>● हसरत भरी नज़रों से, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और</li> </ul>	2×4=8
					2



				भिंचे हुए होंठों से अपनी लाचारी को व्यक्त कर रही थी।	
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अटारी स्टेशन सरहद पर है।</li> <li>● यहाँ पर हिन्दुस्तानी और पाकिस्तानी पुलिस की अदला-बदली होती है।</li> </ul>	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● एक जमीन, एक जबान।</li> <li>● एक सी सूरतें, लिबास तथा सब कुछ एक जैसा।</li> <li>● एक-दूसरे का स्वागत करने का अंदाज भी एक जैसा।</li> <li>● इन समानताओं में भी देशों की पहचान।</li> </ul>	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● दोनों ओर अविश्वास ।</li> <li>● एक-दूसरे के प्रति दुश्मनी।</li> <li>● बदला लेने का भाव।</li> <li>● अपने-अपने देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध।</li> </ul>	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	<p style="text-align: center;"><u>अथवा</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● रसों का संबंध भावनाओं से है।</li> <li>● भावों के अनुसार कलाकृति से आनंद की अनुभूति।</li> </ul>	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● जीवन में उतार-चढ़ाव तथा</li> </ul>	



				सुख-दुख आते रहते हैं। ● जीवन की सभी स्थितियों को सहर्ष स्वीकारना ही श्रेयस्कर।	2
	ग	ग	ग	● दूसरों के दुख या पीड़ा से उत्पन्न। ● स्वयं अनुभव न कर दूसरों के माध्यम से अनुभव करना।	2
	घ	घ	घ	● करुणा का हास्य में बदल जाना। ● भारतीय परंपरा में दूसरों के दुख से उत्पन्न हास्य दिखाई पड़ता है, स्वयं पर हास्य की स्थिति वहाँ दिखाई नहीं पड़ती।	2
12	12 क	11 क	12 क	<u>किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर</u> ● वास्तविक नाम लक्ष्मी परंतु उसके जीवन में अभाव एवं संघर्ष। ● नाम एवं जीवन परिस्थितियों में अंतर। ● वह सामाजिक व्यंग्य का सामना नहीं करना चाहती। ● 'भक्तिन' को यह नाम महादेवी द्वारा दिया गया। ● विशिष्ट सेवा-भक्ति के कारण यह नाम दिया गया।	3 3×4=12



	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बाजार का जादू उसके प्रति विचित्र आकर्षण को कहा गया है।</li> <li>● इसके चढ़ने पर व्यक्ति अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करने लगता है।</li> <li>● अति स्वाभिमानी हो जाता है।</li> <li>● जादू उतरने पर वह संयमी हो जाता है।</li> <li>● आवश्यक वस्तुओं को ही खरीदता है।</li> <li>● बाजार की उपयोगिता समझ पाता है।</li> </ul>	3
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● यह पानी अर्ध है, दान दोगे तभी भगवान पानी देंगे।</li> <li>● पाँच-छह सेर गेहूँ बोने पर अधिक पैदावार।</li> </ul> <p>(समीक्षा में बच्चों की समझ एवं अभिव्यक्ति पर आधारित उत्तर स्वीकार्य)</p>	3
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● गाँव के लोगों में संजीवनी भरने का काम।</li> <li>● कमजोर आँखों में शक्ति का संचार।</li> <li>● मृत्यु से भयभीत न होना।</li> </ul>	3
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संन्यासी सुख-दुख में भी</li> </ul>	



				<p>समभाव से रहता है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● शिरीष भी समभाव से सर्दी-गर्मी में जीवित रहता है।</li> <li>● वातावरण से अमृत खींच कर प्रसन्न रहता है।</li> <li>● संन्यासी की भाँति अविचल-अनासक्त।</li> </ul>	3
13	13	—	—	<p><u>मूल्यपरक प्रश्न</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● दृढ़ निश्चय।</li> <li>● आत्मविश्वास।</li> <li>● लगन।</li> <li>● समर्पण।</li> <li>● साहस।</li> <li>● संघर्ष करने की शक्ति।</li> <li>● बड़ों का सम्मान।</li> </ul> <p>(इन मूल्यों की समीक्षा हेतु विद्यार्थियों की समझ एवं अभिव्यक्ति पर आधारित उत्तर स्वीकार्य)</p>	5
	—	13	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● आदर्शवादी हैं, समझौता नहीं कर पाते।</li> <li>● अपनी पंरपराओं से मुक्त नहीं होते।</li> <li>● किशन दा के व्यक्तित्व से</li> </ul>	



			13	<p>बेहद प्रभावित।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● वक्त के पाबंद।</li> <li>● दिखावा व फिजूल खर्च के खिलाफ।</li> <li>● वर्तमान मूल्यों का आदर तो करते हैं परंतु अपनाने से परहेज करते हैं।</li> </ul> <p>(विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उपयुक्त उदाहरण एवं तर्क स्वीकार्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● आर्थिक विपन्नता के कारण पढ़ने के साधन तथा अवसर का नहीं मिलना।</li> <li>● पढ़ाई के लिए जिज्ञासु बच्चे को समाज में उचित माहौल का नहीं मिलना।</li> <li>● संघर्ष तथा परिश्रम को अपना ध्येय मानना।</li> </ul> <p>बदलाव –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● आज बदलाव आया है, लेकिन विद्यार्थियों के मूल्यों में गिरावट।</li> <li>● सुविधा, अवसर का दुरुपयोग।</li> <li>● दूर-देहात में आज भी बदलाव नहीं, उपेक्षा का शिकार।</li> <li>● जातिवाद आज भी कायम।</li> </ul>	
--	--	--	----	--	--



14	14 क	14 क	14 क	<p>(जीवन मूल्यों से संबंधित उत्तर विद्यार्थियों की समझ के अनुसार स्वीकार्य)</p> <p><u>दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● आदर्शवादी, समय का पाबंद ।</li> <li>● फिजूलखर्ची से बचना ।</li> <li>● सहज, सरल जीवन जीने में विश्वास ।</li> <li>● काम के प्रति समर्पित ।</li> </ul> <p>इन मूल्यों के साथ वर्तमान समय में जीना तथा काम करना कठिन क्योंकि जीवन में अधिक पाने की इच्छा तथा अतृप्ति अधिक हावी है ।</p> <p>(विद्यार्थियों की समझ के अनुरूप उचित अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)</p>	5×2=10
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाज़ियों के अत्याचार का प्रमाण ।</li> <li>● हजारों यातना शिविरों, बंधुआ मजदूरों आदि के उत्पीड़न का साक्ष्य ।</li> <li>● यहूदियों पर हुए अत्याचार तथा भय के साये में जीवन का प्रमाण प्रस्तुत है ।</li> <li>● अपने आस-पास किसी प्रिय और भरोसेमंद मित्र के न होने के कारण अपनी भावना को अपनी प्यारी गुड़िया</li> </ul>	





	ग	ग	ग	<p>किट्टी को संबोधित कर लिखी।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● अपने मराठी के शिक्षक से प्रभावित होकर।</li> <li>● शिक्षक की तर्ज पर स्वयं अन्य काम करते हुए कविता गाना, उनकी ताल से अलग ताल पर कविता बैठा कर गाना।</li> <li>● शिक्षक द्वारा लिखी कविता 'मालती के बेल' कविता पढ़ कर, फसलों पर, जंगली फूलों पर तुकबन्दी।</li> <li>● शिक्षक द्वारा पढ़ते समय स्वयं कविता में रम जाना।</li> <li>● सुरीला गला, छंद, यति-गति तथा रसिकता के साथ कविता पढ़ना।</li> </ul>	
--	---	---	---	---	--

